Microfinance Institutions Network (MFIN)

Shikhar Microfinance Case Study

Coverage Report

13th July, 2018

Media Coverage Index

S. No.	Publication Name	Media
1.	Hindustan Express	Print
2.	Mayur Samvad	Online
3.	News Dastak	Online

PRINT COVERAGE

Publication	Hindustan Express
Edition	Delhi
Date	20th July, 2018
Page No.	07

Headline: Microfinance lends a support to women entrepreneurs

مائیکرو فائنانس نے خاتون تاجروں کی مدد کی

نئی دہلی، 19 جولائی (رمیش جین) شمع بیگم اترپردیش کے ضلع غازی آباد لونی گاؤں کی باشندہ ہیں۔ وہ اپنے شوہر اور تین بچوں کے ساتھ رہتی ہے۔ ابھی حال تک ان کے کنبہ کی آمدنی کا ذریعہ 25 سال پرانی مٹھائیوں کی دکان تھی جو ان کے شوہر اپنے بھائی کے ساتھ ساجھے داری میں چلتی تھی۔ دکان سے ہونے والی آمدنی سے مشکل سے گزر بسر ہوتی تھی۔ شمع بیگم اور ان کے شوہر نے اپنی ذاتی مٹھائی کی دکان کھولنے کا فیصلہ کیا۔ انہوں نے غیر بینکنگ مالیاتی کمپنی مائیکرو فائنانس انسٹی ٹیوشن (این بی ایف سی۔ ایم سی آئی) شکھر مائیکرو فائنانس (Shikhar Microfinance) سے مائیکر کریڈٹ مدد لے کر نیا بزنس شروع کیا۔ انہوں نے کمپنی سے 10,000 روپے قرض لئے جس سے انہیں اپنی دکان کھولنے میں مدد ملی۔ بنیادی طور پر وہ دودھ سے مٹھائیاں بنا کر بیچتے تھے۔

دریں اثنا انہوں نے شکھر مائیکرو فائنانس سے اور لون لے کر اپنے بزنس کی توسیع کی۔ آج ان کی ماہانہ آمدنی تقریباً 40 ہزار روپے ہے۔ وہ ہر ماہ 70 تا 100 کلو مٹھائی ہر ماہ بیچتے ہیں۔ ان کی اضافہ شدہ آمدنی سے ان کے بچوں کو اچھی تعلیم مل رہی ہے۔ اسی طرح غازی آباد کے پرتاپ وہار میں رہنے والی سروج نے شکھر مائیکرو فائنانس سے لون لیا۔ انہوں نے یہ لون اپنے بیٹے کے موبائل ریپئر بزنس کو بڑھانے کے لئے لیا۔ مناسب سرمایہ کاری کے ساتھ آج موبائل ریپئر شاپ سے ہونے والی آمدنی دوگنی ہوگئی۔ اس سے ان کے مالی پوزیشن مستحکم ہوئی اور ان کے رہن سہن میں کافی سدھار پیدا ہوا۔ شکھر مائیکرو فائنانس پرائیویٹ لمیٹڈ (ایس ایم پی ایل) ریزرو بینک کے ذریعہ ریگولیٹ این بی ایف سی۔ ایم ایف آئی ہے جو بغیر کسی ڈپازٹ کے لون مہیا کراتی ہے۔

ONLINE COVERAGE

Website	Mayur Samvad
Date	16th July, 2018
Link	http://mayursamvad.in/2018/07/%E0%A4%AE%E0%A4%BE%E0%A4%87%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%8B%E0%A4%AB%E0%A4%BE%E0%A4%87%E0%A4%A8%E0%A5%87%E0%A4%82%E0%A4%B8-%E0%A4%A8%E0%A5%87-%E0%A4%AE%E0%A4%B9%E0%A4%BF%E0%A4%B2%E0%A4%BE/

मयूर सँवाद
आपका मोहल्ला आपकी आवाज

माइक्रोफाइनेंस ने महिला कारोबारियों को दिया सहयोग

SHIKHAR MICROFINANCE
शिखर से शिखर

mayur sambad July 16, 2018 व्यापार 0

संवाददाता (दिल्ली) शमा बेगम उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के लोनी गांव की निवासी हैं। वह अपने पति और तीन बच्चों के साथ रहती हैं। अभी हाल तक उनके परिवार की आमदनी का जरिया 25 साल पुरानी मिठाइयों की दुकान थी, जो उनके पति अपने भाई के साथ साझेदारी में चलाते थे। उनकी दुकान से होने वाली आमदनी से काफी मुश्किल से उनकी जरूरतें पूरी होती थीं। शमा बेगम और उनके पति ने अपनी मिठाइयों की दुकान खोलने का फैसला किया। उन्होंने गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी-माइक्रोफाइनेंस इंस्टिट्यूशन (एनबीएफसी-एमसीआई) शिखर माइक्रोफाइनेंस से माइक्रो क्रेडिट सहायता लेकर नया बिजनेस शुरू किया। उन्होंने कंपनी से 10,000 रुपये उधार लिए, जिससे उन्हें अपनी दुकान खोलने में मदद मिली। वह मूल रूप से दूध से बनी मिठाइयां ही बेचते थे। इसी अवधि में उन्होंने शिखर माइक्रो फाइनेंस से और लोन लेकर अपने बिजनेस का विस्तार किया। आज उनकी महीने की आमदनी करीब 40 हजार रूपये है। और वह हर महीने 70-100 किलो मिठाई हर महीने बेचते हैं। उनकी स्थायी बढ़ी हुई आमदनी से उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल पा रही है। इसी तरह गाजियाबाद के प्रताप विहार में रहने वाली सरोज ने शिखर माइक्रो फाइनेंस से लोन लिया। उन्होंने ये लोन अपने बेटे के मोबाइल रिपेयर बिजनेस को बढ़ाने के लिया। उचित निवेश के साथ आज मोबाइल रिपेयर शॉप से होने वाली आय दुगुनी हो गई। इससे उनके वित्तीय स्तर में भी काफी सुधार हुआ।

शिखर माइक्रोफाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (एसएमपीएल) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नियमित एनबीएफसी-एमएफआइ है जो बिना किसी डिपॉजिट के लोन उपलब्ध कराता है। शिखर हमारे समाज के साधनविहीन वर्ग को वित्तीय सेवाएं और आजीविका के अवसर प्रदान करके समुदायों को अधिकार प्रदान करता है। शिखर माइक्रोफाइनेंस इस समय दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी गतिविधियों का संचालन कर रही है और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को माइक्रोक्रेडिट सेवायें (ज्वाइंट-लाएबिलिटी ग्रुप मॉडल) और जीवन बीमा मुहैया कराता है। मौजूदा समय में इसका संचालन 20 शाखाओं के माध्यम से 176 जगहों पर किया जा रहा है। इस समय शिखर के पास 30 हजार से ज्यादा सक्रिय लोन क्लाइंट्स है।

माइक्रोफाइनेंस इंस्टिट्यूशंस नेटवर्क जोकि एक स्व-नियामक संगठन और भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग का उद्योग संघ है, के अनुसार, देश में 99 प्रतिशत माइक्रो क्रेडिट लाभार्थी महिलायें हैं। एनबीएफसी-एमएफआई जैसे माइक्रोफाइनेंस संस्थान देश में कम सेवा वाली अथवा बैंकिंग की सुविधा से वंचित आबादी को वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच दिलाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई देश में एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थान है जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित लोन मुहैया कराता है। ये संस्थान उन महिलाओं को कर्ज देते हैं, जिनके पास रेहन रखने के लिए किसी तरह की सिक्युरिटी नहीं होती। इस तरह ये अनफंडेड क्रेडिट गैप को भरने का काम कर रहे हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य लोगों को स्थिर आजीविका के साधन प्रदान करना है।, दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी वित्तीय सेवायें मुहेया कराकर, यह संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन एजेंडे को पूरा करते हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई प्रधान मंत्री मुद्रा योजना के लिए महत्वपूर्ण भागीदार हैं। इस योजना के तहत लगभग 50 फीसदी लोन वितरण का काम माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के माध्यम से किया गया है। एनबीएफसी-एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक के साथ रजिस्टर्ड हैं। इनका विनियमन सख्ती से किया जाता है और लोन के साइज, उसकी अवधि, ब्याज की दर, उचित व्यवहार संहिता (एफपीसी) और उद्योग आचार संहिता (सीओसी) पर कड़ी नजर रहती है। आरबीआइ माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के कामकाज को शासित करता है । रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी एमएफआईज की नियमित रूप से निगरानी करता है।

Website	News Dastak
Date	16th July, 2018
Link	News Dastak

माइक्रोफाइनेंस ने महिला कारोबारियों को दिया सहयोग

By NewsDastak - July 16, 2018

SHIKHAR MICROFINANCE
शिखर से शिखर

संवाददाता (दिल्ली) शमा बेगम उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के लोनी गांव की निवासी हैं। वह अपने पति और तीन बच्चों के साथ रहती हैं। अभी हाल तक उनके परिवार की आमदनी का जरिया 25 साल पुरानी मिठाइयों की दुकान थी, जो उनके पति अपने भाई के साथ साझेदारी में चलाते थे। उनकी दुकान से होने वाली आमदनी से काफी मुश्किल से उनकी जरूरतें पूरी होती थीं। शमा बेगम और उनके पति ने अपनी मिठाइयों की दुकान खोलने का फैसला किया। उन्होंने गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी-माइक्रोफाइनेंस इंस्टिट्यूशन (एनबीएफसी-एमसीआई) शिखर माइक्रोफाइनेंस से माइक्रो क्रेडिट सहायता लेकर नया बिजनेस शुरू किया। उन्होंने कंपनी से 10,000 रुपये उधार लिए, जिससे उन्हें अपनी दुकान खोलने में मदद मिली। वह मूल रूप से दूध से बनी मिठाइयां ही बेचते थे। इसी अवधि में उन्होंने शिखर माइक्रो फाइनेंस से और लोन लेकर अपने बिजनेस का विस्तार किया। आज उनकी महीने की आमदनी करीब 40 हजार रूपये है। और वह हर महीने 70-100 किलो मिठाई हर महीने बेचते हैं। उनकी स्थायी बढ़ी हुई आमदनी से उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल पा रही है। इसी तरह गाजियाबाद के प्रताप विहार में रहने वाली सरोज ने शिखर माइक्रो फाइनेंस से लोन लिया। उन्होंने ये लोन अपने बेटे के मोबाइल रिपेयर बिजनेस को बढ़ाने के लिया। उचित निवेश के साथ आज मोबाइल रिपेयर शॉप से होने वाली आय दुगुनी हो गई। इससे उनके वित्तीय स्तर में भी काफी सुधार हुआ।

शिखर माइक्रोफाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड (एसएमपीएल) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नियमित एनबीएफसी-एमएफआइ है जो बिना किसी डिपॉजिट के लोन उपलब्ध कराता है। शिखर हमारे समाज के साधनविहीन वर्ग को वित्तीय सेवाएं और आजीविका के अवसर प्रदान करके समुदायों को अधिकार प्रदान करता है। शिखर माइक्रोफाइनेंस इस समय दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी गतिविधियों का संचालन कर रही है और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को माइक्रोक्रेडिट सेवायें (ज्वाइंट-लाएबिलिटी ग्रुप मॉडल) और जीवन बीमा मुहैया कराता है। मौजूदा समय में इसका संचालन 20 शाखाओं के माध्यम से 176 जगहों पर किया जा रहा है। इस समय शिखर के पास 30 हजार से ज्यादा सक्रिय लोन क्लाइंट्स है।

माइक्रोफाइनेंस इंस्टिट्यूशंस नेटवर्क जोकि एक स्व-नियामक संगठन और भारत में माइक्रोफाइनेंस उद्योग का उद्योग संघ है, के अनुसार, देश में 99 प्रतिशत माइक्रो क्रेडिट लाभार्थी महिलायें हैं। एनबीएफसी-एमएफआई जैसे माइक्रोफाइनेंस संस्थान देश में कम सेवा वाली अथवा बैंकिंग की सुविधा से वंचित आबादी को वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच दिलाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई देश में एकमात्र विनियमित वित्तीय संस्थान है जो कम आय वाले परिवारों को असुरक्षित लोन मुहैया कराता है। ये संस्थान उन महिलाओं को कर्ज देते हैं, जिनके पास रेहन रखने के लिए किसी तरह की सिक्युरिटी नहीं होती। इस तरह ये अनफंडेड क्रेडिट गैप को भरने का काम कर रहे हैं। एनबीएफसी-एमएफआई का उद्देश्य लोगों को स्थिर आजीविका के साधन प्रदान करना है।, दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी वित्तीय सेवायें मुहैया कराकर, यह संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन एजेंडे को पूरा करते हैं।

एनबीएफसी-एमएफआई प्रधान मंत्री मुद्रा योजना के लिए महत्वपूर्ण भागीदार हैं। इस योजना के तहत लगभग 50 फीसदी लोन वितरण का काम माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के माध्यम से किया गया है। एनबीएफसी-एमएफआई भारतीय रिजर्व बैंक के साथ रजिस्टर्ड हैं। इनका विनियमन सख्ती से किया जाता है और लोन के साइज, उसकी अवधि, ब्याज की दर, उचित व्यवहार संहिता (एफपीसी) और उद्योग आचार संहिता (सीओसी) पर कड़ी नजर रहती है। आरबीआइ माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के कामकाज को शासित करता है । रिजर्व बैंक सभी एनबीएफसी एमएफआईज की नियमित रूप से निगरानी करता है।